

Kenitae chukhan.

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार..

प्रश्न संख्या

1 9.

एक वाशरल रोग है, जो मित्रिचानु समूह वाले वाशरल से होता है जैसे - बर्ड फ्लू

1 6.

दो मित्र मित्र किल्लपीय जयंत

1 7

1 8.

एक ऐसा समाधिकार, जो पुस्तक की रचना करने वाले को दिया जाता है।

1 E

पूर्वी पिपरा वल से प्रिण्टे को अपनी कार्य आकर्षित करती है, उसे मुक्तत्व कहते हैं।

1 A

दो आदेशों के मध्य अपने वाला बल एक ऐसा रोग, जिसमें कोई आदेश किली अन्य आदेश को आकर्षित या प्रतिआकर्षित करता है।

1 10.

प्रश्न संख्या

1 H

सूत्र - संकीर्ण उपग्रह चिपका उपयोग, संकीर्ण एवं विभिन्न चुचकाओं की जानकारी के लिए का एकत्रित किया जाता है।

1 I

प्रोग्राम संरक्षण मानव कोशिका में संरक्षण द्वारा किया जाता है।

1 K

1 L

1 M

सूत्र संकीर्ण उपग्रह को 3-4 विद्युत चित्र एवं 8 वचों की वस्तु का चित्र लेने में सक्षम है।

1 N

लेन परमाणु चिपका परमाणु समान है परमाणु परमाणु चिपका होता है।

1 O

लेनी काल में चिपका एक वस्तु या पदार्थ के प्रति को इलेक्ट्रॉन में प्रतिबिम्बित करके प्राप्त की जाती है।

उदा. - वी.वी. कोलन।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
 (Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1 2

एक कोरी काली नामिक वृत्त में
 या अधिक भागों में विभाजित हो जाता
 है, तो इसे नामिकीय विखंडन कहते हैं।
 इस प्रक्रिया में भारी मात्रा में अणु का
 उत्सर्जन होता है।
 विखंडन नामिकीय विखंडन का प्रयोग
 विखंडन से किया जा रहा है।
 इसके अणुबंधन से अणु सेना
 के लिए प्रयोग किया जा रहा है।
 भारत में अणुशक्ति, कास्ट वीडियो रिप्लेस
 तथा धूम्र के परमाणु विखंडन प्रयोग
 वसी पर आधारीत है। इसके पर्याप्त
 ही विभिन्न मिश्राणों, विभिन्न शक्ति
 समन्वयिका का विज्ञान किया जा रहा
 है।

नामिकीय विखंडन विद्युत ऊर्जा,
 विद्युत एवं आंतरिक शक्ति में सहायक है।

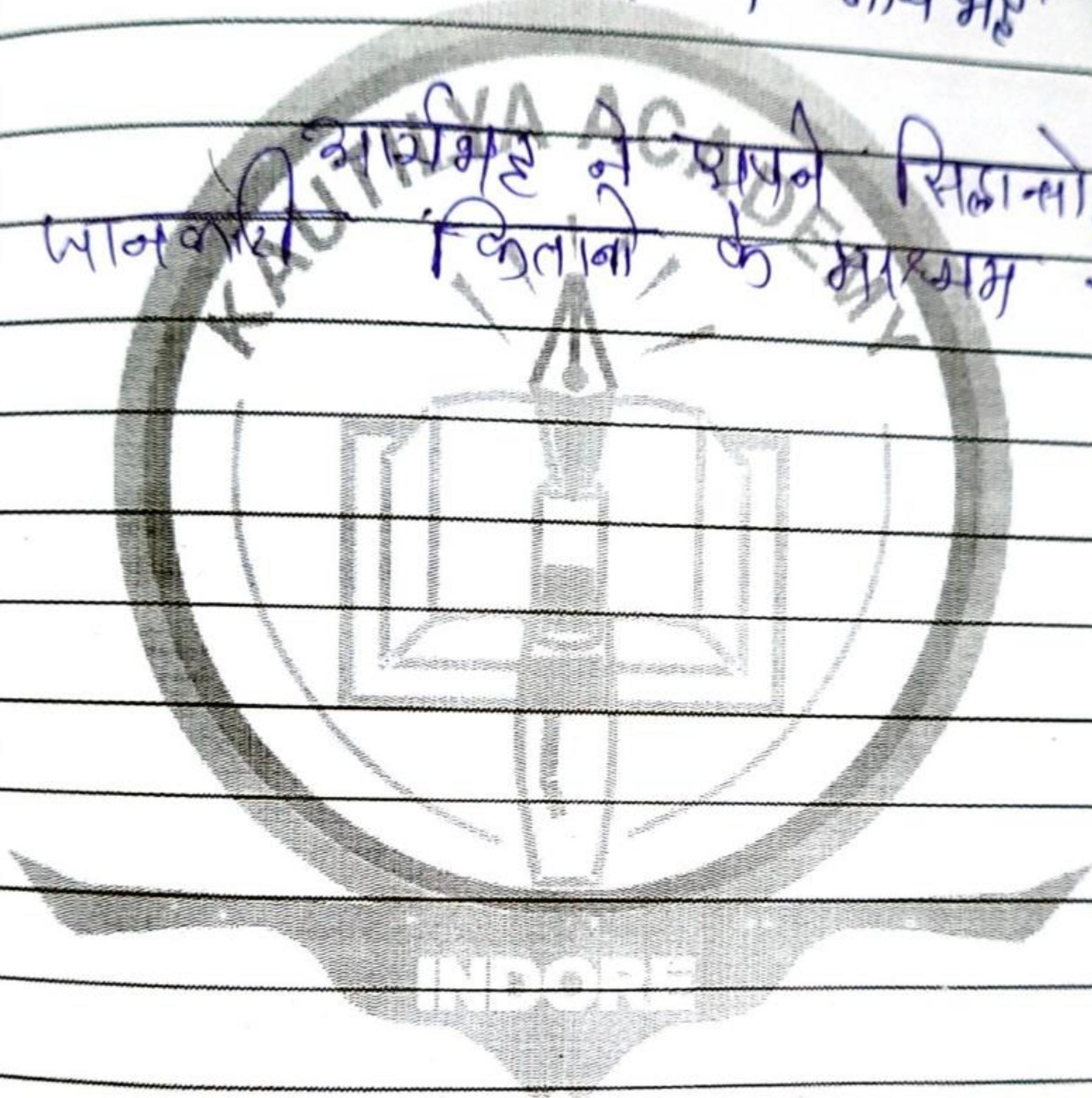


प्रश्न
संख्या

2 B

आर्यभट्ट प्राचीन भारत के गणितज्ञ एवं खगोल विज्ञान में योगदान चुकी अपनी पुरी पर पुमली है। इसकी खोज सर्वप्रथम आर्यभट्ट की ही थी।

आर्यभट्ट ने अपने सिद्धान्तों की जानकारी कितानों के माध्यम से दी है।



प्रश्न संख्या

2 1

अणु: स्थायी-अंतर्विक्रम विद्योत प्रकार का क के 'हार्मोन' का स्तवण करती है। नलिका विहीन होने के कारण यह हार्मोन का स्तवण शरीर में करती है।

1. पीयूष ग्रंथि →

यह मस्तिष्क के ग्रंथि अणु अणु स्थायी-अंतर्विक्रम को नियंत्रित करती है।

2. अणुबाध →

यह अणुबाध, इन्सुलिन तथा कामेरोसेपिन के हार्मोन का स्तवण करती है।

3. पित्त ग्रंथि →

यह एंड्रोजन, प्रोजेस्टेरोन नामक हार्मोन का स्तवण करती है, जो गर्भाशय व कुष्ठ ग्रंथि के लिए सहायक होती है।

4. अणु ग्रंथि →

शरीर की सामान्य शक्ति में

सहायता

यह अणु अणु: स्थायी अंतर्विक्रम विभिन्न हार्मोन स्तवण के माध्यम से शरीर के संतुलन को बनाए रखती है।



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न
संख्या

2 E

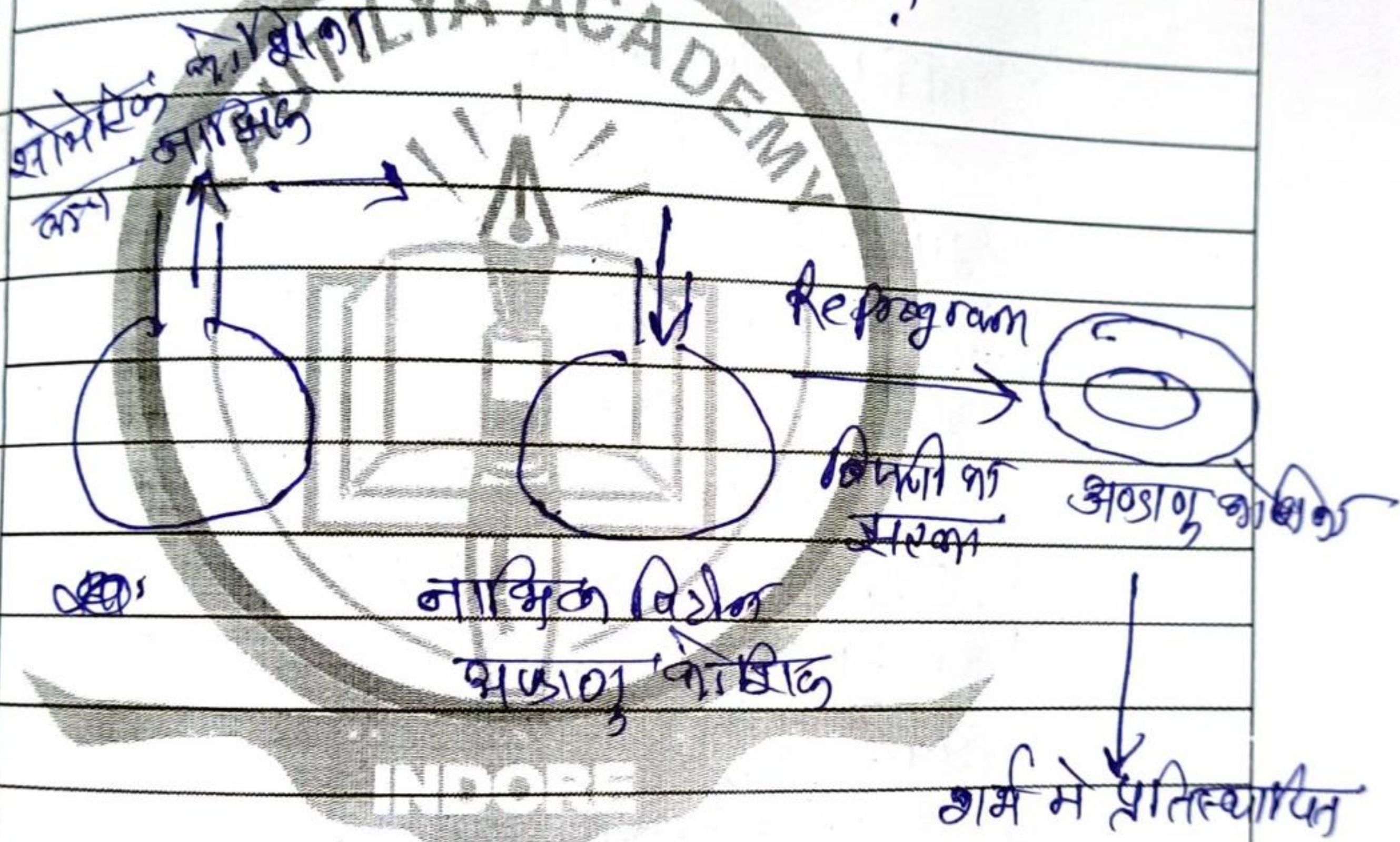
शिशुम खेल सीमिया, वलय अम्पली
पेबेयी रोग है। जिसमें लीमोगोवीका
की माता में दृष्टि सामान्य से कम
रह जाती है।



प्रश्न संख्या

2 4

एक ऐसी रचना है, जो किसी एक जनक (माता या पिता) से को-लैंगिक एक जनक द्वारा उत्पादित होता है। अर्थात् लैंगिक विधि इन विधि-कारिणों के बीच कक्षा जाता है। अर्थात् नाभिकीय अणुओं के अंतरण का प्रयोग किया जाता है।



- प्रकार =>
1. उपचरत्मक => विकारी का मिटान अर्थात् एम्ब्रियोमिक सेल प्राप्त करना
 2. उत्पादक => अर्थात् अणुओं को जन्म देना।



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

2 64

परमाण्विक संकेत (नेनो क्लेस) पर लिखी पदार्थ को लोड-मैग्नेट वरिष्ठ गुणों वाला धातु माना जाता है। नेनो प्रौद्योगिकी का विकास व शोधशीलता में प्रयोग किया जा सकता है।

कैंसर (नेनो क्लेस) शरीर के अंगों को नुकसान पहुंचाने वाला एक रोग है। इसका उपचार करने के लिए डॉक्टरों को भी आसानी से संभव नहीं है। इसलिए शोधकर्ता ने एक लक्ष्य निर्धारित किया है कि कैंसर को ठीक से पहचानने में मदद करे।

एचआईवी कैंसर तथा शरीर में शोध करने में नेनो तकनीक का प्रयोग हो सकता है। कैंसर को पहचानने में नेनो तकनीक का उपयोग हो सकता है, जिससे शरीर में घातक हो सकता है।

प्रश्न
संख्या

2

11

पेट्रोलियम प्राकृतिक स्रोत है, जो जीवित अणुजीविक है। यह समुद्र में खड़े पारो वहाँ में जमे जीवाश्म अवशेषों के फसले के रूप में पाया जाता है। जैसे की भारत में इलाहाबाद की खाड़ी में पेट्रोलियम खनिज पाया जाता है।

पेट्रोलियम को विभिन्न विधियों द्वारा वाष्पयन कर कई प्रकार के उत्पाद बनाए जाते हैं।

प्रकार =)

1. डीजल
2. एल.पी.जी.
3. बेसोलीन
4. पेट्रोकेमिकल्स

वास्तव में लोहे को विभिन्न अवस्थाओं पर गर्म कर वाष्पन द्वारा मिश्र-मिश्र उत्पादों को एकत्रित कर लिया जाता है।

प्रश्न संख्या

2 I

यह 'मु-स्वैतिक' शैक्षणिक मांच हीन है जो उपग्रहों को मु-स्वैतिक कक्षा में प्रक्षेपित करना है।

विशेषता =>

1. कार्गो मिशन लक्ष्मी का प्रयोग होने से यह मिशन का कार्य निपटने के लिए तैयार है।
2. अत्यधिक भार ले जाने में लक्ष्य है।

कक्षान - 2 मिशन JSCV माच-3 द्वारा ही भेजा गया था। क्योंकि यह अत्यधिक पैलोड ले जाने में लक्ष्य है।

परमार्थ भारत में पीएसएलवी का विकास ~~अधिक~~ ही अधिकतम रक्षा में अधिक क्षमता का नहीं है। इस प्रकार ~~मिशन~~ JSCV माच-3 का विकास आन्तरिक अध्ययन व उच्च लक्ष्मी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

प्रश्न संख्या

2 4

प्रयोग महासागर में पृथ्वी के तल के
मिथुन समुद्री तल के गर्म होने की वजह से
को अलग-नीला कम जाता है।
इससे समुद्र का तापमान कम होकर
अधिक हो जाता है। अतः समुद्र से

प्रभाव

दक्षिण-पश्चिम मानसून में
परिवर्तन के कारण मुख्य रूप से
भारत वारिश की स्थिति पैदा
की जाती है। यह भारतीय मानसून
को भी प्रभावित करता है।

यूरे-से पश्चिम की ओर चलने
वाली हवाओं की दिशा में परिवर्तन

इस प्रकार अलग-नीला का प्रभाव
वैश्विक स्तर पर अलग-अलग सु-मध्य क्षेत्रों
में पड़ता है। वास्तव में यह प्रभाव
जापान एवं दक्षिण में परिवर्तन का प्रमुख कारण
होता है।

प्रश्न संख्या

2 L

जीवन या मृत जीवों व पौधों से प्राप्त ऊष्मा को वायोमस (कचरे) को शक्ति रूपांतरण में परिवर्तित कर ऊष्मा प्राप्त की जाती है।
 यह चावल की भूमी, गन्ने की खेती आदि वायोमस ऊष्मा के स्रोत हैं।
 (भा.प्र.)
 1. यह अवीनीय ऊष्मी स्रोतों में से एक है, जो अवीनीय ऊष्मा को उपयोग किया जा सकता है।
 2. वेकमिप ऊष्मा के स्रोतों में से एक है।
 3. अन्य उद्योगों की तरह शुद्ध नहीं करता है।
 भारत में वायोमस ऊष्मा के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि दूर-दूरस्थ गाँवों में स्वामीय स्तर पर ऊष्मा संचयन उपलब्ध हो सके।

प्रश्न संख्या

3 9

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत वे स्रोत जो प्राथमिक रूप से उपलब्ध होते हैं, तथा प्राथमिक आविष्कार में समाप्त नहीं होते हैं। नवीनीकरण संभव होता है। इनका स्तोत्र - पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा वायोमास आदि।

और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत वे ऐसे स्रोत जो प्राथमिक रूप से उपलब्ध नहीं होते हैं, तथा प्राथमिक आविष्कार में समाप्त होते हैं। इनका नवीनीकरण संभव नहीं है। इनका स्तोत्र - परमाणु शक्ति। यह हजारों वर्षों के दौरान जीवाश्म स्थिति के पत्थर के रूप में जमने से प्राप्त होते हैं। कोयला, प्राथमिक तेल, प्रमुख जीवाश्म स्थिति हैं।

आज अधिकांश मात्रा में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का प्रयोग किया जा रहा है जो परंपरागत स्रोतों के साथ-साथ नवीकरणीय स्रोतों को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
 (Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>

सौर ऊर्जा प्राकृतिक रूप से उपलब्ध है। अतः इसका व्यापक पैमाने पर प्रयोग किया जा सकता है। सौर ऊर्जा आधुनिक उपकरण -

1. सौर कुकर - सौर ऊर्जा के संचयन पर विद्युत ऊर्जा प्राप्त करके पानी को गर्म करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
2. सौर पंप - खेतों में सौर पंप की सहायता से सिंचन की जा सकती है।
3. सौर चूल्हा - खेतों में सिंचन की जा सकती है।
4. सौर बेंच
- 5.

इस प्रकार सौर ऊर्जा का प्रयोग घरों व छोटी संस्थानों के कार्यों में आसानी से किया जा सकता है। मध्य प्रदेश में सौर ऊर्जा उपयोग को प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा सौर कुकर का वितरण किया गया। सौर पंप वितरण के माध्यम से खेतों में सिंचन की जा सकेगी।

प्रश्न संख्या

वैतुम जिले के एक गाँव में और आधारित
विद्युत उपकरण का प्रयोग किया
जा रहा है।

भारत में प्रयास है

भारत ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर
विद्युत क्षेत्र में निवेश को बढ़ाया है।
अंतराष्ट्रीय और गवर्नमेंट
के माध्यम से सॉलर ऊर्जा के क्षेत्र
उपयोग हेतु तकनीकी विकास को
प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र प्रयोग हेतु
श्रीवा में 750 MW क्षमता वाला सौर
पावर प्लांट लगाया गया है। जिले के
के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ाया जा
सके।

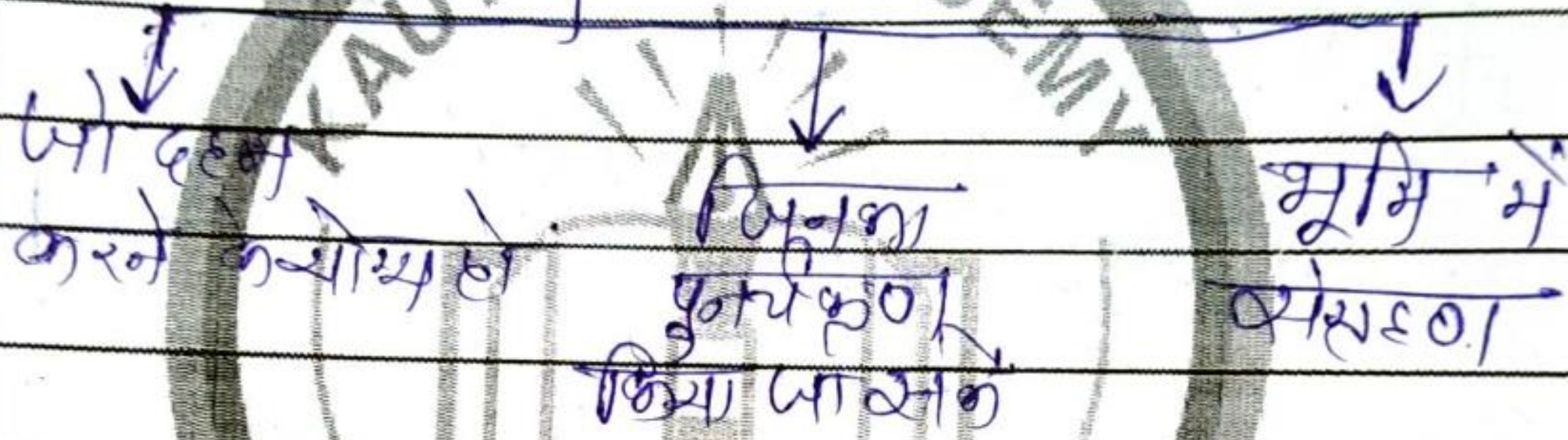
स्पष्ट है भारत के पास जीवाश्म
सिद्धांत के स्थिति सीमित है। अतः भारत
अपनी आंतराष्ट्रीय रिव्यूसि का लाभ उठाकर
सस्ते, प्रदूषण रहित ऊर्जा स्रोत के रूप में
सौर ऊर्जा का वैश्व प्रयोग कर सकता है।
अंतराष्ट्रीय सौर ऊर्जा गवर्नमेंट इस सौर
क्षेत्र प्रयास है।

प्रश्न संख्या

3 B

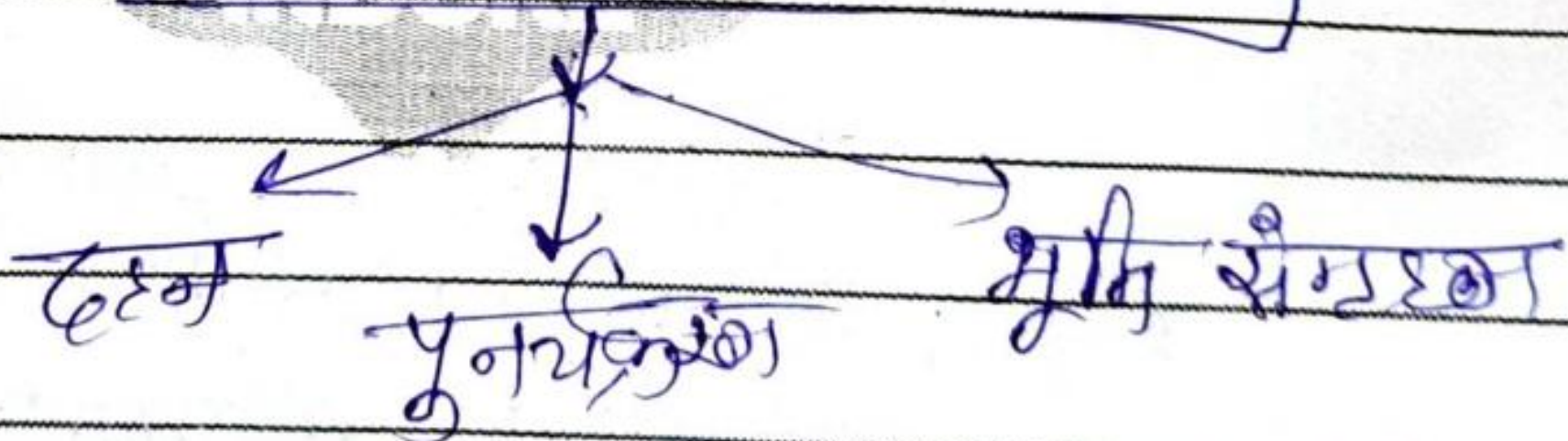
ऐसे दोष पदार्थ को उपयोग के बाद निरर्थक हो जाते हैं उन्हें होल अपविलिएट कहा जाता है। तथा ऐसे अपविलिएट के दहन, पुनर्पक्वण तथा भूमिकरण के द्वारा अपविलिएट संभाले जाते हैं।

होल अपविलिएट संभाले प्रकार एवं संभाले



अपविलिएट का संभाले :-

अपविलिएट का वर्गीकरण



विभिन्न प्रकार के अपविलिएट को उनकी प्रकृति के आधार पर दहन पुनर्पक्वण तथा भूमिकरण किया जाता है।

प्रश्न संख्या

विभिन्न प्रकार के ढोके में
उत्पाद तथा विभिन्न अस्पताल से विक्रेता
मिकले उपकरण सबसे अधिक घातक
होते हैं।

दोस्र अंपरिण्ट संबंधन में प्रमुख लक्षणीक

1. वंसीनेल -

मेडिकल अपरिण्टों को भाषा
अपकरण -

3. किराणु रहित बनाना।
स्टर -

4. मेडिकल कचरे को तोड़कर
दोस्र सारण में परिवर्तित करना।
कचरे से अभा उत्पादन करना।

5. पुनर्चलना -

अपरिण्टों को मूल्यवर्धित कर
पुनः उपयोग में लाना।

6. उर कान्सट्रु - कचरे को मायु,
पुनः उपयोग व पुनर्चलना किमें
जाता है।

प्रश्न संख्या

वर्तमान में ई-अपशिष्ट से मिपत्ता की चुनौती कम गुमा हो। इस अपशिष्ट से सबसे घातक ई-कचरा है, जिसका पुनर्चक्रण व प्रोद्योगिकी भाग नहीं है। यह कड़ी भावा में भारत में विश्वश्रीम शिवा में आयत हो रहा है। भारत में आयत का मुख्य हव बना हुआ है। संपूर्ण भारत की संख्या केवल 30% कचरे से मिपत्ता की शक्ति। हालांकि पर्यावरण एवं स्वास्थ्य की चुनौती को देखते हुए अपशिष्ट प्रबंधन में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हाल अपशिष्ट नियम 2016 में अपेक्षा अनुसार किए गए हैं। तथा बेसी नियम 2001 बस और सराहनीय प्रमाण है। विद्युत की अपशिष्ट प्रबंधन के लिए उच्च तकनीकी विकास की आवश्यकता है।



3 C

पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्रों पर मानवीय मांग का मापक है जो मांग की तुलना पृथ्वी की पारिस्थितिकी के पुनर्जनन करने की क्षमता से करता है। इसके अन्तर्गत यह अनुमान लगाया जाता है, कि पृथ्वी के मानव की गतिविधों के कारण पृथ्वी के लिए 2000 के लिए यह मान 1.4 का अर्थात् मानव का उपयोग पृथ्वी की पुनर्जनन की तुलना में 1.4 गुना है।

वर्तमान में मानव प्राथमिक संसाधनों का लक्ष्य से उपयोग कर रहा है। जबकि इन संसाधनों की कीमती प्रकृति द्वारा नहीं की जा रही है। बढ़ती जनसंख्या के अभाव के परिणामस्वरूप पारिस्थितिक पदचरम की अवधारणा भारी जलवायु मानव की बढ़ती मांग तथा प्रकृति का पुनर्जनन का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सके।



प्रश्न संख्या

पारिस्थितिक पदचिन्ह के ~~कारण~~ महत्व

1. प्राकृतिक संसाधनों पर मानव की बढ़ती मांग को प्रदूषित करना
2. प्राकृतिक का दायें की स्थिति बनाकर
3. पूर्व में किये गये दायें एवं मांग की तुलनात्मक जानकारी देना है ताकि संसाधनों के उपयोग को ~~सा~~ योजनाबद्ध किया जा सके।
4. सुधार हेतु कार्यक्रम निर्धारित किये जा सकें।
5. प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग पर नियंत्रण करना।
6. अल्पवर्षीय स्तर पर प्रयास करना।

यद्यपि पदचिन्ह के बढ़ते भावों को रोकना संभव नहीं है पर वह है परन्तु प्रकृति के संतुलन में वह ~~सा~~ और बेहतर योजना दिया जा सकता है। जैसे की वृक्षारोपण वनों का काले वने रोकना आदि। वृक्षारोपण न केवल साक्षीधन उपलब्ध करायेगा बल्कि पारिस्थितिकी लक्ष्य की सुरक्षा के लिए भी लाभदायक होगा।